

भारत सरकार  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3588  
दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कैंसर के बढ़ते मामले

†3588. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में वर्ष-दर-वर्ष कैंसर के बढ़ते मामलों के क्या कारण हैं;
- (ख) क्या यह सच है कि आगामी 15 वर्षों में कैंसर के मामलों की संख्या वर्तमान में 14 लाख प्रतिवर्ष से बढ़कर 20 लाख हो जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या यह सच है कि कैंसर के मामलों की समग्र घटना दर पश्चिमी देशों जितनी तीव्र नहीं है परन्तु इनकी कुल संख्या अधिक है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (घ) देश में सबसे आम प्रकार के कैंसर का व्यौरा क्या है और उन्हें नियंत्रित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं;
- (ङ) उन राज्यों का व्यौरा क्या है जहां कैंसर के मामले अधिक हैं और सरकार द्वारा विशेष उपायों के माध्यम से कैंसर के मामलों को नियंत्रित करने के लिए उन राज्यों/जिलों पर और अधिक बल देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और
- (च) आन्ध्र प्रदेश में विभिन्न प्रकार के कैंसर के मामलों का जिला-वार और प्रकार-वार व्यौरा क्या है और उन्हें नियंत्रित करने और रोकने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्री प्रतापराव जाधव)

- (क) : भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कैंसर के मामलों में वृद्धि का कारण कैंसर का पता लगाने के लिए बेहतर नैदानिक तकनीकों की पहुँच और उपलब्धता, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, वृद्ध लोगों की बढ़ती हिस्सेदारी, स्वास्थ्य के प्रति अपेक्षाकृत अधिक जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार है। साथ ही, कैंसर सहित गैर-संचारी रोग (एनसीडी) से जुड़े क्लासिक जोखिम कारकों जैसे कि तंबाकू और शराब का सेवन, अपर्याप्त शारीरिक कार्यकलाप, अस्वास्थ्यकर आहार, अधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा का सेवन आदि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(ख): आईसीएमआर - नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (एनसीआरपी) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 तक देश में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 15,69,793 है। ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या वर्ष 2040 तक बढ़कर 22,18,694 हो जाने की संभावना है।

(ग): जैसा कि ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) द्वारा बताया गया है, भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या (14,13,316, दर 98.5 प्रति 100000) चीन (48,24,703, दर 201.6 प्रति 100000) और संयुक्त राज्य अमेरिका (23,80,189, दर 367 प्रति 100000) के बाद तीसरे स्थान पर है।

(घ): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) - राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार, देश में पुरुषों और महिलाओं में क्रमशः फेफड़े और स्तन कैंसर सबसे आम प्रकार के कैंसर हैं। वर्ष 2024 के लिए फेफड़े (पुरुष) और स्तन (महिला) के कैंसर रिपोर्ट किए गए मामलों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है।

भारत में सबसे आम कैंसर मामलों की अनुमानित घटना (2024)	
अंग	मामले
फेफड़े (पुरुष)	79279
स्तन (महिला)	227152

(ङ) और (च): आईसीएमआर - राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, कैंसर के मामलों की अनुमानित उच्च घटनाओं वाले पांच राज्य उत्तर प्रदेश (2,10,958), महाराष्ट्र (1,21,717), पश्चिम बंगाल (1,13,581), बिहार (1,09,274) और तमिलनाडु (93,536) हैं।

आईसीएमआर के पास आंध्र प्रदेश में ज़िलेवार कैंसर के मामलों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि यहाँ जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री (पीबीसीआर) नहीं है। हालाँकि, आईसीएमआर - एनसीआरपी के अनुसार, वर्ष 2024 में आंध्र प्रदेश में कैंसर (स्त्री-पुरुषों में सभी प्रकार) की अनुमानित संख्या 76,708 है। आईसीएमआर ने कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण के प्रयासों के लिए विश्वसनीय कैंसर सांख्यिकी तक पहुँचने के लिए राज्य-व्यापी कैंसर एटलस की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग (एनपी-एनसीडी) रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत देश भर के राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, जांच, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और स्वास्थ्य संवर्धन पर केंद्रित है। कार्यक्रम के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

केंद्रीय बजट घोषणा 2025-26 के अनुसार, सरकार भारत भर के जिला अस्पतालों में 200 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करने की योजना बना रही है। यह पहल मौजूदा प्रयासों पर आधारित है, जिसमें जिला अस्पतालों में पहले से ही 372 डीसीसीसी कार्यरत हैं। इस प्रस्ताव का उद्देश्य कैंसर देखभाल को विशेष रूप से ग्रामीण

और वंचित क्षेत्रों में समुदायों के करीब लाना है, जबकि अत्यधिक बोझ वाले विशिष्ट देखभाल सुविधा केन्द्रों में भीड़ को कम करना है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत कैंसर के निवारक पहलू को मजबूत किया गया है, जिसमें आरोग्य कार्यकलापों को बढ़ावा दिया जाता है और सामुदायिक स्तर पर लक्षित संचार किया जाता है। एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है।

एनपी-एनसीडी के तहत, एनसीडी के लिए जागरूकता सूजन कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिला स्तर पर 3-5 लाख रुपये और राज्य स्तर पर 50-70 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसे राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार किया जाना है।

एनसीडी के बढ़ते बोझ को देखते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की 100% जांच करने के लिए एनसीडी स्क्रीनिंग अभियान (दिनांक 20 फरवरी, 2025 से दिनांक 31 मार्च 2025) शुरू किया है। यह अभियान आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एनपी-एनसीडी के तहत अन्य स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में पूरे देश में चलाया जा रहा है।

\*\*\*\*\*